6112 बीघा सरकारी जमीन के घोटाले में शामिल सात लोग गिरफ्तार

तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने बीकानेर जिले के छत्तरगढ़ में सबसे बड़े सरकारी जमीन घोटाले में शामिल तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच कर रहे श्रीगंगानगर एएसपी बीकानेर आए और यहां अभियुक्तों की गिरफ्तारी की।

- **अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 100 से ज्यादा लोगों को जमीनों का फर्जी आवंटन कर दिया गया जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ**

छत्तरगढ़ में 12 मार्च, 2024 को तहसीलदार राजकुमारी की ओर से 6112 बीघा सरकारी जमीन के कूटरचित तरीके से कागजात तैयार कर सरकारी कार्मिकों की मिलीभगत से फर्जी आवंटन करने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें 19 आरोपी नामजद किए गए थे। मामले की जांच श्रीगंगानगर एएसपी रघुवीर शर्मा को सौंपी गई। उन्होंने तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों पर आरोप प्रमाणित माने और बीकानेर आकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सातों अभियुक्तों को शुक्रवार को छत्तरगढ़ कोर्ट में पेश किया गया। इनमें से दो पटवारी सुन्दरलाल जालप और अजेन्द्रसिंह व एक अन्य रमेश पुरोहित को तीन फरवरी तक रिमांड पर लिया गया है। दो पटवारी सहित चार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। गिरफ्तारी के दौरान उडसर पटवारी जसवीरसिंह की तबीयत बिगड़ गई, जिसका पीबीएम अस्पताल में इलाज कराने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गौरतलब है कि छत्तरगढ़ पुलिस थाने में जमीन घोटाले से संबंधित चार मुकदमे दर्ज हुए थे, जिनकी जांच एएसपी श्रीगंगानगर कर रहे हैं। 12 मार्च, 2024 को तहसीलदार राजकुमारी की ओर से छत्तरगढ़ पुलिस थाने में दर्ज कराई एफआईआर में बताया गया कि छत्तरगढ़ के ग्राम मोतीगढ़, नापासरिया, सरदारपुरा, राजासर भाटियान, कुण्डा, घेघड़ा, सत्तासर, लूणखां की 1547 हेक्टेयर यानी 6112 बीघा सरकारी जमीन को सुनियोजित योजना से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आपसी मिलीभगत से लाभ पहुंचाने के लिए आवंटित किया गया। इसमें पटवारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, लाभार्थी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों की मिलीभगत रही। जमीन के लिए पेश आवेदनों की किसी प्रकार की जांच एवं परीक्षण किए बिना जान-बूझकर लाभ पहुंचाने के लिए अलग-अलग लोगों को खुर्दबुर्द कर दिया गया जिससे सरकार को डीएलसी दरों के मुताबिक 25 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। रिपोर्ट में 19 आरोपियों को नामजद किया गया।

कांग्रेस सरकार के समय पूगल और छत्तरगढ़ में बड़े स्तर पर जमीनों का फर्जी तरीके से आवंटन किया गया। सत्ता बदली और भाजपा सरकार आई तो जिला प्रशासन ने जांच कराई। उजागर हुआ कि अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 100 से ज्यादा लोगों को जमीनों का फर्जी आवंटन कर दिया गया जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। दो आरएएस सहित 34 कार्मिकों और 132 लाभार्थियों के खिलाफ पुलिस थानों में चार और एसीबी में भी दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए।

जोधपुर : ब्रेन डेड किसान ने तीन लोगों को दिया नया जीवन

जोधपुर एम्स में इस साल का पहला अंगदान (कैडेवरिक डोनेशन) हुआ

जोधपुर, (कासं)। शहर में वर्ष 2026 का पहला अंगदान (कैडेवरिक डोनेशन) हुआ, जब खेती करने वाले पाली जिले के 58 वर्षीय किसान अन्नेसिंह के परिवार ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। अन्नेसिंह के निधन के बाद परिवार ने अंगदान का नेक फैसला लिया। इससे गंभीर रूप से बीमार तीन रोगियों को नया जीवन मिला।

- **अन्नेसिंह की किडनी और लीवर को एम्स जोधपुर के मरीजों को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया,**
- **जबकि एक किडनी एसएमएस अस्पताल जयपुर के मरीज को आवंटित की, इसे जयपुर भेजने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया**

एम्स के कार्यकारी निदेशक प्रो. गोवर्धन दत्त पुरी ने बताया कि पाली के जोजावर (खोखरा) निवासी अन्नेसिंह को बेहोशी की हालत में 19 जनवरी को एम्स जोधपुर के आपातकालीन विभाग में लाया गया था। गहन चिकित्सा प्रबंधन के बावजूद न्यूरोलॉजिकल जांच में ब्रेनस्टेम रिफ्लेक्सिस (मस्तिष्क की प्रतिक्रिया) की अनुपस्थिति पाई गई। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। दुख की घड़ी में ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेशन टीम ने परिवार के साथ कई काउंसलिंग सत्र किए। विस्तृत चर्चा और भावनात्मक सहयोग के बाद परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी और अपने दुख को दूसरों के लिए जीवनरक्षक उपहार में बदलने का साहसिक विकल्प चुना। डॉ. पुरी ने बताया कि एम्स में यह 11वां अंगदान है। इसके लिए अन्नेसिंह के परिवार के प्रति एम्स प्रबंधन ने आभार जताया। अन्नेसिंह की किडनी और लीवर को एम्स जोधपुर के मरीजों को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया, जबकि एक किडनी एसएमएस अस्पताल जयपुर के मरीज को आवंटित की। इसे जयपुर भेजने के लिए जोधपुर ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया।

डॉ. पुरी ने बताया कि एम्स जोधपुर में यह 11वां सफल कैडेवरिक अंगदान है। यह 2026 के लिए आशाजनक शुरुआत है, जो पश्चिमी राजस्थान में अंगदान जागरूकता और उन्नत प्रत्यारोपण सेवाएं प्रदान करने के संस्थान के संकल्प को और मजबूत करता है।

सामान्यत: यह प्रोसीजर आयुष्मान भारत के तहत होता है, जिससे मरीजों पर वित्तीय बोझ कम से कम रहे। इस अंगदान और प्रत्यारोपण में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और जीआई सर्जरी (लीवर टीम) में डॉ. वैभव वाष्णेय, डॉ. पीयूष वाष्णेय, डॉ. लोकेश अग्रवाल, यूरोलॉजी (किडनी टीम) में डॉ. एएस संधू, डॉ. शिवचरण नवरिया थे। ब्रेन डेथ घोषणा समिति में डॉ. सादिक मोहम्मद, डॉ. अभिषेक भारद्वाज, डॉ. दीपक झा और डॉ. दुर्गाशंकर मीणा में शामिल थे।

अपहरण व लूट प्रकरण में पुलिसकर्मी सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

मामले में गिरफ्तार पुलिस कांस्टेबल को किया निलंबित

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में फरियादी का अपहरण कर मारपीट करने, फिरौती मांगने व बैग लूटने के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामले में गिरफ्तार उद्योग नगर थाने के पुलिस कांस्टेबल मनीष यादव ने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे मारपीट कर फिरौती की मांग की और बाद में उसे रास्ते में छोड़कर उससे बैग लूट लिया था। पुलिस प्रशासन ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। पुलिस टीम ने इस मामले में घटना में प्रयुक्त कार को भी जप्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 27 जनवरी को फरियादी ने आरकेपुरम थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि अपने मित्र के साथ ग्राम घाटोली से बाईक से 20 जनवरी को कोटा आया था, रंगबाड़ी में उसे एक मित्र राजेन्द्र मिला, जिसके पास एक बैग था, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण और कुछ जरूरी सामान था। रिपोर्ट में कहा कि उसके मित्र राजेन्द्र ने कहा कि कोटा यूनिर्वसिटी के पास विजय माली नाम का व्यक्ति मिलेगा उसको वह बैग देना है।

रिपोर्ट में कहा कि जिस पर वह उसके साथ कोटा यूनिर्वसिटी पहुंचा तो वहां स्कूटी पर दो व्यक्ति आये जिसमे एक पुलिसकर्मी की वर्दी में था। पुलिसकर्मी की वर्दी वाले ने उसका बैग चैक किया और मुकदमा ना दर्ज करने के लिये धमकाया और उसके दोस्त को फिरौती की रकम लेने के लिये भेज दिया। रिपोर्ट में कहा कि थोड़ी देर में एक कार में तीन जने और आये और पुलिकर्मी ने उसको जबरदस्ती कार में बैठाया और उसका अपहरण कर अनंतपुरा की ओर ले गये और उससे मारपीट कर आगे जाकर कार से उतार कर बैग लूट कर फरार हो गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।मामले में कार्यवाही के लिये आरकेपुरम् थानाधिकारी रामविलास मीणा के नेतृत्व में चार पुलिस टीम गठित कर मामले में अनुसंधान एवं कार्यवाही करते हुए भरतपुर हाल उद्योग नगर थाने के कांस्टेबल मनीष यादव (35), रायपुरा निवासी प्रियांशु भट्ट (22), कैथून निवासी कृष्णकान्त उर्फ विजय (31), इन्द्रागांधी नगर निवासी देवेन्द्र कुमार नागर (31) एवं उल्हाड़ी निवासी विष्णु यादव (37) को गिरफ्तार किया। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि गिरफ्तार कांस्टेबल मनीष यादव के खिलाफ कार्यवाही करते हुए कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है, मामले की जांच जारी है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। युवती का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी रामलाल डांगी व उसकी पत्नी रेखा के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि 27 जनवरी को आरोपी मुझे बहला फुसला कर अपने साथ एकांत में ले गया, जहां आरोपी ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से निकल कर घर पहुंच कर प्रकरण दर्ज करवाया।

बजरी से भरा डंपर जब्त

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान नाई पुलिस थाने हैड कांस्टेबल पिन्टूलाल पुत्र कन्हैयालाल मीणा निवासी अमरपुरा फला बोरा गोड़ टीडी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

एनजीटी ने 8.5 लाख पेड़ नहीं लगाने के मामले में सख्त रुख अपनाया

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भोपाल ने नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया द्वारा राजस्थान में राजमार्गों के निर्माण एवं चौड़ा करने के दौरान काटे गये लाखों पेड़ों के बदले शर्तों के अनुसार 3 गुना, 5 गुना एवं 10 गुना लगभग 8.5 लाख पेड़ नहीं लगाने के मामले में वन विभाग की उदासीनता पर कड़ा रुख अपनाया है।

- **राजस्थान के पीसीसीएफ को नोटिस दिया, जवाब नहीं देने पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश**

पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू द्वारा अधिवक्ता लोकेन्द्र सिंह कच्छावा के मार्फत दायर जनहित याचिका 87/2025 की सुनवाई करते हुए एनजीटी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर को शीघ्र जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह एवं विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि बार-बार निर्देशों के बावजूद प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर की ओर से अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। एनजीटी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आदेश दिया है कि वह एक सप्ताह के भीतर प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस की तामील कराए तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा वन विभाग में जमा की गई पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि के उपयोग का पूरा विवरण दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जाए। अधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयसीमा में जवाब दाखिल नहीं किया गया तो प्रधान मुख्य वन संरक्षक को अगली सुनवाई दिनांक 19 मार्च, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

याचिकाकर्ता बाबूलाल जाजू ने इस आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में सड़क मार्गों को चौड़ा करने के दौरान काटे गये विशालकाय लाखों पेड़ों के बदले पौधे लगाकर उनका रखरखाव के दिये गये निर्देशों की पूर्ण रूप से पालना नहीं करने पर जाजू को मजबूरन पुन: जनहित याचिका दायर करनी पड़ी।

शादी समारोह से जेवर का बैग चोरी

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक शादी समारोह में से सोने-चांदी के आभूषण का बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। पूरा घटनाक्रम शादी समारोह में लगे सीसीटीवी कैमरे मे कैद हुआ, पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत बोरखेड़ा थाने में दर्ज कराई है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार तलवंडी निवासी कमलपाल की बेटी की शादी समारोह का कार्यक्रम बोरखेड़ा स्थित मैरिज गार्डन में चल रहा था। शादी समारोह कार्यक्रम के तहत महिला संगीत के कार्यक्रम के दौरान समारोह में से सोने-चांदी के आभूषण का बैग अचानक से गायब मिला, जिसे कोई अज्ञात चोरी कर ले गये। पुलिस ने बताया कि तलवंडी निवासी कमल पाल ने रिपोर्ट दी है कि शादी समारोह के दौरान कोई आभूषण का बैग चोरी करके ले गये। पुलिस ने बताया कि गार्डन में लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले जिसमें दो संदिग्ध युवक दिख रहे हैं, जिन्होंने पहले रैकी की और मौका मिलते ही बैग को पार कर फरार हो गये। पुलिस ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर सीसीटीवी फुटैज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन पर अफीम पकड़ी, एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी थाना गंगापुर सिटी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 428 ग्राम अवैध अफीम जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

- **जीआरपी पुलिस ने 428 ग्राम अवैध अफीम जब्त की**

थानाधिकारी जीआरपी गंगापुर सिटी दलवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम शुक्रवार रात गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रेलवे स्टेशन गंगापुर सिटी के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उत्तरी छोर स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान संदिग्ध व्यक्ति भारत सिंह के कब्जे से 428 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अफीम को मौके पर जब्त कर आरोपी भारत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में जीआरपी थाना गंगापुर सिटी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान उपनिरीक्षक सोमेन्द्र कुमार, जीआरपी थाना कोटा को सौंपा गया है। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

इस कार्रवाई में जीआरपी थाना प्रभारी दलबीर सिंह के साथ सहायक उपनिरीक्षक सवाई माधोपुर कैलाश चंद, गंगापुर सिटी के सहायक उपनिरीक्षक भवानीशंकर और कांस्टेबल लाखन सिंह, दिलीप सिंह, मनोज कुमार, धर्मसिंह शामिल थे। यह कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रेलवे राजस्थान, महानिरीक्षक पुलिस रेलवे राजस्थान और पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर के निर्देशों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। इस अभियान का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थ, शराब और हथियारों की रोकथाम तथा अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना है। कार्रवाई का पर्यवेक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर और पुलिस उप अधीक्षक जीआरपी वृत्त कोटा ने किया।

कोटा में 210 अपराधी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस की 74 टीमों ने अलग-अलग मामलों में एरिया डोमनेशन के तहत 163 स्थानों पर दबिश देते हुए 210 आरोपियों को गिरफतार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सक्रिय अपराधियों एवं आदतन आरोपियो की अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाया गया। शहर एसपी ने बताया कि शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र के तहत 74 टीमों का गठन किया गया, गठित टीमों ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रो में 163 स्थानों पर दबिश देकर कार्यवाही करते हुए अलग-अलग मामलों में 210 आरोपियों को गिरफ्तार किया। शहर एसपी नें बताया कि कार्यवाही के दौरान 78 सक्रिय एवं आदतन आरोपियों की राउंडशीट खोजी जाकर थाना स्तर पर निगरानी शुरू की है।

एसिड अटैक का इनामी आरोपी गिरफ्तार

सूरजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र में हुए एसिड अटैक के मामले में पुलिस ने 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस प्रकरण में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। सूरजगढ़ सीआई रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

मामले के अनुसार 17 अगस्त 2024 को परिवादी पूर्णमल निवासी कुम्हारों का बास थाना सूरजगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पोता अरुण कुमार, जो भारतीय सेना में कार्यरत है और छुट्टी पर घर आया हुआ था। सुबह करीब 4:45 बजे साइकिलिंग के लिए घर से निकला था। भापर गांव की सड़क पर पहुंचने से पहले उसने फोन कर अपने ताऊ राजेंद्र को बताया कि किसी ने उसके चेहरे और आंखों पर ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया है। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में घायल अरुण को चिड़ावा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे झुंझुनूं रेफर किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि घटना से पहले खुशबू शर्मा निवासी भापर के मोबाइल नंबर से अरुण कुमार को कई बार कॉल आए थे। इसी आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पहले आरोपी खुशबू शर्मा को गिरफ्तार कर लिया था। अनुसंधान में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी दिनेश ने एसिड की व्यवस्था कर खुशबू शर्मा को उपलब्ध कराया था। इसके बाद खुशबू ने अरुण कुमार पर एसिड फेंका। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी 27 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र महेंद्र सिंह निवासी भापर थाना सूरजगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

गंगापुर सिटी में बूंदाबांदी से सर्दी ने जोर पकड़ा

गंगापुर सिटी, (निसं)। शनिवार सुबह मौसम ने एक बार फिर करवट ली। 27 जनवरी को हुई मावठ के बाद शनिवार सुबह करीब 8.30 बजे से 10.30 बजे तक हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे वातावरण में नमी बढ़ गई और ठंड में इजाफा महसूस किया गया। बूंदाबांदी के कारण सर्दी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। खुले इलाकों और खेतों में ठंड का असर अधिक रहा, जबकि शहर में भी लोग गर्म कपड़ों में लिपटे दिखे। ठंड बढ़ने से सुबह की चहल-पहल सीमित रही और बाजारों में गतिविधियां देर से शुरू हुईं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 31 जनवरी को गंगापुर सिटी में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि दिन का अधिकतम तापमान सामान्य रहा, लेकिन नमी और बादलों के कारण ठंडक अधिक महसूस की गई। पिछले कुछ दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव के बावजूद सर्दी का असर बना हुआ है।

दो दिन बाद हो सकती है ओलावृष्टि, फिर से बढ़ेगी सर्दी : श्रीगंगानगर जिले में कोहरे का प्रभाव कम होने लगा है। रोजाना तेज धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। इससे अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। जिले में मावठ की बारिश के आसार हैं। इस बीच बादलों की आवाजाही का दौर जारी है।

मौसम विभाग ने बारिश के साथ ओले गिरने की भी संभावना जताई है। ऐसे में जिले में एक बार फिर सर्दी बढ़ेगी। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री व अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री रिकार्ड किया गया था। वहीं, गुरुवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री और अधिकतम तापमान 21.1 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने 2 फरवरी को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ जिले में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना जताई है।

पाटन सीएचसी में स्टाफ का संकट, मरीज हो रहे परेशान

पाटन, (निसं)। श्री मूलचंद दीवान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन इन दिनों गंभीर स्टाफ संकट से जूझ रहा है। अस्पताल में स्वीकृत 34 पदों में से 15 पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिसका सीधा असर यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। प्रतिदिन 450 से 500 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन कर्मचारियों की भारी कमी के कारण उन्हें लंबा इंतजार और कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों के साथ-साथ अकाउंटेंट, क्लर्क, आईटी स्टाफ, एएनएम, सीनियर नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग ऑफिसर, सहायक रेडियोग्राफर, सीनियर लैब टेक्नीशियन, वार्ड बॉय और सफाई कर्मचारियों सहित कई महत्वपूर्ण पद खाली हैं। नर्सिंग स्टाफ की कमी के कारण वार्ड, प्रसव कक्ष, टीबी यूनिट और इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। मरीजों को पट्टी और इंजेक्शन लगवाने के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ता है।

- **अस्पताल में स्वीकृत 34 पदों में से 15 पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं**

पाटन सीएचसी

चिकित्सालय में सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थिएटर मौजूद होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सक का पद रिक्त होने के कारण यहां ऑपरेशन नहीं हो पा रहे हैं। वहीं सोनोग्राफी मशीन की सुविधा नहीं होने से गर्भवती महिलाओं को नीमकाथाना, कोटपूतली जैसे उच्च चिकित्सा केंद्रों पर रेफर किया जाता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त खर्च और परेशानी झेलनी पड़ती है। पाटन क्षेत्र से स्टेट हाइवे गुजरता है और यह इलाका बड़ा माइनिंग जोन भी है। इसके चलते यहां अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। गंभीर रूप से घायल मरीजों को पाटन अस्पताल लाया जाता है, लेकिन स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति में उन्हें अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने से कई बार गंभीर मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी अधिकारी डॉ. अमित यादव ने बताया कि वे वर्तमान में आईएमएनसीआई प्रशिक्षण पर हैं और स्टाफ की कमी के कारण निश्चित रूप से परेशानियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज का उपचार किया जा रहा है और ओपीडी का भार अधिक होने के बावजूद मरीजों को असुविधा न हो, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

यूजीसी के विरोध में गंगापुर बंद आज

गंगापुर सिटी, (निसं)। अखिल भारतीय सवर्ण समाज संघर्ष समिति गंगापुर सिटी की मिटिंग शनिवार को सीताराम मंदिर पुरानी अनाज मंडी गंगापुर सिटी में रखी गई, जिसमें सम्पूर्ण भारत बंद के आह्वान को समर्थन देते हुए एवं शुक्रवार को एक निजी महाविद्यालय में सवर्ण समाज के बन्धु को अपमानित व उत्पीड़ित करने से समाज में व्याप्त रोष को लेकर मिटिंग में चर्चा हुई।

मिटिंग में उपस्थित व अन्य व्यापारिक संगठनों से बात कर एक फरवरी रविवार को गंगापुर सिटी बंद करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए शहर में रिक्शा माईक, सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना देने पर सहमति बनी। मिटिंग में शैलेन्द्र शर्मा महूंकला ब्रहामण समाज पूर्व अध्यक्ष, रामकिशोर शर्मा, सतीश जिन्दल, गोविंद बरनाला जिलाध्यक्ष अग्रवाल समाज, रामवतार ढोला अध्यक्ष पुरानी अनाज मंडी, भवानी शंकर शर्मा, पवन कुमार, राजेश आचार्य, रविंद्र सिंघल, अशोक मंगल मंत्री अग्रवाल समाज, गजानंद, कीर्ति कुमार शर्मा, हेमेंद्र बोहरा, राजेश, नवीन गौतम, योगेंद्र खूंटामार, वेदप्रकाश मंगल किराना संघ, दीपक शर्मा, महेंद्र कुम्भाल तहसील उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन, तहसील उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन सहित सवर्ण समाज के बन्धु उपस्थित थे।

भीलवाड़ा में 150 से ज्यादा अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर नष्ट किये

भीलवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए बुलेट और अन्य बाइकों में लगे 150 से अधिक अवैध मॉडिफाइड साइलेंसरों को नष्ट किया।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय ने बताया कि शहरवासियों की तरफ से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ बाइकर्स, विशेषकर बुलेट सवार, अपनी गाड़ियों में कंपनी फिटेड साइलेंसर हटाकर अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रहे हैं। इनसे निकलने वाली तेज आवाज और पटाखों जैसी ध्वनि से आम जनता को काफी परेशानी हो रही थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने शहरभर में एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान नाकाबंदी और चेकिंग के जरिए पुलिस ने ऐसी बुलेट मोटरसाइकिलों को रोका और उनके चालान काटे। साथ ही, मौके पर ही उन अवैध साइलेंसरों को जब्त कर लिया गया। जब्त किए गए इन सभी साइलेंसरों को पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम के सामने इकट्ठा किया और उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया, ताकि इनका दोबारा इस्तेमाल न हो सके। पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए साइलेंसरों की संख्या 150 से ऊपर है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक दिन के लिए नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध साइलेंसरों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अगले महीने भी पुलिस इसी तरह मुस्तैदी से चेकिंग करेगी और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों में ऐसे बदलाव न करें जिससे दूसरों को असुविधा हो।

आवारा श्वानों के हमले से नीलगाय घायल

नोखा, (निसं)। यहां काहिरा गांव में शनिवार सुबह आवारा कुत्तों के एक झुंड ने नीलगाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब नीलगाय गांव के पास खेतों की ओर आ गई थी। अचानक हुए इस हमले से नीलगाय गंभीर रूप से घायल हो गई।

- **ग्रामीणों और वन विभाग की तत्परता से जान बची**

घटनास्थल पर मौजूद महेंद्र, कूदन, अशोक और पवन नामक ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए आवारा कुत्तों को खदेड़ा और नीलगाय को उनके चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पशुधन सहायक भगवान गौड़ को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पशुधन सहायक भगवान गौड़ मौके पर पहुंचे और घायल नीलगाय का प्राथमिक उपचार किया। नीलगाय की स्थिति को देखते हुए वन विभाग की टीम को भी सूचित किया। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने नीलगाय का मौके पर ही उपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर रेस्क्यू किया। ग्रामीणों की तत्परता और पशुधन विभाग व वन विभाग के समय पर समन्वय से नीलगाय की जान बचाई जा सकी। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।